सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 334 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 14 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं।
-इंदिरा गांधी

पंचतत्व में विलीन हुए... 8 | संसद को सर्वोच्च बताने पर कांग्रेसे... 3 | सरकार की नीतियों से आ सकता है... 7

भारत जोड़ो में कदम बढ़ाते ठहर गई सांसद संतोख सिंह की जीवन यात्रा

» जालंधर से लगातार दूसरी बार चुने गए थे सांसद

» संतोख सिंह के निधन के कारण राहुल ने रोकी भारत जोड़ो यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब के जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी का आज सुबह फिल्लौर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान निधन हो गया। वह राहुल गांधी के साथ यात्रा में चल रहे थे, तभी उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। डाक्टर ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। वहीं, साथी सांसद के निधन के कारण राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा फिलहाल रोक दी और सीधा राहुल उनके जालंधर स्थित घर पहुंच गए हैं। संतोख का कल उनके पैतृक गांव धारीवाल में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

यात्रा में अचानक सांसद चौधरी संतोख सिंह की तबीयत बिगडने के बाद उनको फगवाड़ा के विर्क अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉ. जसजीत विर्क के मुताबिक जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तब उनकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल लाते समय रास्ते में भी डॉक्टरों की टीम ने उन्हें बचाने की भरसक कोशिश की।

कांग्रेस की रैली में राहुल गांधी के साथ सांसद संतोख सिंह चौधरी। फाइल फोटो

सांसद संतोख सिंह के पार्थिव शरीर को उनके जालंधर शहर स्थित न्यू विजय नगर आवास पर लाया गया। देश में मोदी लहर के बावजूद वह पहले 2014 व लगातार दूसरी बार 2019 में सांसद बने थे। इससे पहले वह कांग्रेस की 1992 से 1997 की सरकार में फिल्लौर विधानसभा सीट विधायक रहते हुए राजिंदर कौर भट्ठल और हरचरण सिंह बराड़ के मंत्रिमंडल में बतौर मंत्री सेवाएं दे चुके थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी व जयराम रमेश ने सांसद संतोख चौधरी के निधन पर शोक जताया है।

वकील की गलत दलील से एयर इंडिया के पेशाब प्रकरण ने पकड़ा तूल

सांसद मोइत्रा और शोभना ने कहा मिश्रा के वकील पर भी चले केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में सहयात्री पर पेशाब करने का मामला एक बार फिर वकील की गलत दलील पर तूल पकड़ गया है। दरअसल, शंकर मिश्रा के वकील ने दावा किया है कि पीड़ित महिला ने खुद अपनी सीट पर पेशाब किया था। जिस पर विवाद बढ़ गया। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का बयान भी अब इस विवाद में आ गया। टीएमसी सांसद ने कहा है कि ऐसा दावा करने के लिए शंकर मिश्रा के वकील पर भी मुकदमा चलना चाहिए। सांसद मोइत्रा ने कहा कि इससे शालीनता भंग हुई है।

बता दें शंकर मिश्रा के वकील रमेश गुप्ता ने दिल्ली की अदालत में सुनवाई के दौरान दावा किया कि महिला ने खुद अपनी सीट पर पेशाब कर लिया था। वकील ने कहा था कि महिला एक कत्थक नृत्यांगना हैं और 80 फीसदी कत्थक नृत्यांगनाओं में यह दिक्कत होती है कि वह पेशाब पर संयम नहीं कर पाती हैं। शंकर मिश्रा के वकील के इस दावे से टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने ने वकील की इस गलत दलील को महिला के अपमान से जोड़कर हमला बोला है।

» वकील ने आरोपी के बचाव में 80 फीसदी कत्थक नृत्यांगनाओं में बताई है पेशाब करने की दिक्कत

» मशहूर कत्थक नृत्यांगना शोभना नारायण ने इसे महिलाओं के लिए बेहूदा और भ्रामक प्रचार बताया

दावा नारी के प्रति सोच का परिचायक : महुआ

टीएमसी सांसद ने ट्वीट करते हुए लिखा कि शंकर मिश्रा के वकील का दावा कानूनी इतिहास का सबसे पागलपन वाला बचाव है। सहयात्री पर पेशाब करने के आरोपी की कानूनी टीम के खिलाफ भी ऐसे अपमानजनक आरोप लगाने के लिए आईपीसी की धारा के तहत शील भंग करने के आरोप में केस चलना चाहिए। शंकर मिश्रा के वकील के दावे पर कई शास्त्रीय नृत्यांगनाओं ने भी सवाल उठाए हैं।

मशहूर कत्थक नृत्यांगना शोभना नारायण ने कहा है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और सबसे विचित्र कारण है। मुझे अभी पता चला है कि 80 फीसदी कत्थक नृत्यांगनाओं को ऐसी दिक्कत होती है! बता दें पीड़ित महिला ने भी शंकर मिश्रा के वकील के दावों पर नाराजगी जाहिर की है और एक बयान जारी कर कहा कि यह आरोप पूरी तरह से गलत है। आरोपी अपने बेहूदा कृत्य पर पश्चाताप करने के बजाय प्रताड़ित करने के लिए उनके खिलाफ भ्रामक प्रचार कर रहा है।

नाविकों का रोजगार छीन रही भाजपा : अखिलेश यादव

कहा-धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाकर कमाना चाहती है सरकार

» भाजपा बाहरी चकाचौंध से असल मुद्दों को भटका रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गंगा विलास क्रूज के नदी में उतरते ही राजनीति भी हवा में तैरने लगी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह उद्योगपतियों का क्रूज है, और इससे नाविकों का रोजगार भी छिन जाएगा।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट गंगा विलास के उद्घाटन के बाद से विपक्ष हमलावर हो गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष खाबरी ने भी इसकी आलोचना की थी। वहीं पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि गंगा विलास उद्योगपतियों का क्रूज है, बीजेपी नाविकों का रोजगार छीन कर वह धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाकर कमाना चाहती है। यह नीति निंदनीय है। पूरी दुनिया से लोग काशी के आध्यात्मिक वैभव की अनुभूति करने के लिए आते हैं। विलास-विहार के लिए नहीं। भाजपा बाहरी चकाचौंध से असल मुद्दों के अंधेरों को अब और नहीं ढक पाएगी। सरकार यह बताए कि वाराणसी के नाविकों के लिए क्या किया? उन्होंने कुछ भी नहीं किया। अब क्या भाजपा नाविकों का रोजगार भी छीनेगी? वहीं गोमती रिवर फ्रंट योजना को लेकर इशारों में अखिलेश ने कहा- शहर में नदियां साफ करने का काम सपा सरकार ने किया था। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नावें भी खरीदी थी। मगर लगता है कि सरकार ने उन नावों को डस्टबीन में डाल दिया। आज भी गोमती सफाई का बाट जोह रही है। अखिलेश ने कहा, जब मैं संगम गया और नाव पर बैठा तो मैंने कहा सरकार ने नाव तो बहुत अच्छी खरीदी है। लेकिन नाव पर मौजूद कर्मचारी ने कहा यह तो वही नाव है, जो आप ने खरीदी थी। लोग हकीकत कह रहे हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुलायम सिंह यादव के जीवन पर कैलेंडर तैयार किया गया है। इसको सपा कार्यालय में अखिलेश ने लॉन्च किया है।

पानी की तरह बहाया जा रहा सरकारी धन

अखिलेश ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के जरिए लाखों-करोड़ों का इन्वेस्टमेंट बता रहे हैं, तो ये बताएं कि जॉब्स कितनी मिली। सरकार इसका भी तो जवाब दे। साथ ही उन्होंने कहा कि आपको गोरखपुर जाना चाहिए। वहां सरकारी पैसा कैसे पानी की तरह बहाया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर अखिलेश यादव ने कहा कि पहले जो इन्वेस्टर समिट हुए। उसमें कितना पैसा धरातल पर आया। पुराने जमीन पर उतरे नहीं और नए एमओयू साइन कर रहे हैं। चुनाव के चक्कर में आम जनता को धोखा दिया जा रहा है। सपा कुछ नहीं कह रही। हजारों करोड़ रुपए खत्म हो गए, लेकिन गंगा साफ नहीं हुई। भाजपा बड़े-बड़े लोगों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है।

2024 में भाजपा को नहीं मिलेगा बहुमत : थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनन्तपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने दावा किया कि भाजपा के लिए 2019 की चुनावी जीत को 2024 में दोहराना असंभव होगा। केरल साहित्य महोत्सव में बोलते हुए तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से सांसद थरूर ने कहा कि भाजपा ने कई राज्यों में अपनी सरकार खो दी हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसभा 2019 में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया, तो उनके पास अनिवार्य रूप से हरियाणा, गुजरात, राजस्थान की हर सीट थी। बिहार, एमपी, महाराष्ट्र में एक सीट को छोड़कर सभी और बंगाल में 18 सीटें थीं। थरूर ने इंडिया ए वॉक थ्रू द डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस शीर्षक वाले एक सत्र के दौरान कहा, अब उन सभी परिणामों को दोहराना असंभव है और 2024 में बहुमत से नीचे गिरना पूरी तरह से संभव है। थरूर ने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी लोकसभा चुनाव में 50 सीटें हार सकती है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर यहां केरल साहित्य महोत्सव में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। हालांकि एक महत्वपूर्ण सवाल पर कि क्या विपक्षी पार्टियां अगले लोकसभा चुनाव में एक साथ रहने वाली हैं, इस पर ऐसा उन्होंने कहा कि जवाब देना असंभव है। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने 303 सीटें जीतीं थी।

क्या गलत बात पर हमले का अधिकार नहीं : कृष्णमूर्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके नेता शिवाजी कृष्णमूर्ति ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ विवादित टिप्पणी की। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा, अगर राज्यपाल अपने विधानसभा भाषण में अंबेडकर का नाम लेने से इनकार करते हैं, तो क्या मुझे उन पर हमला करने का अधिकार नहीं है?

कृष्णमूर्ति ने कहा, राज्यपाल तमिलनाडु सरकार द्वारा दिए गए भाषण को नहीं पढ़ते हैं, तो कश्मीर जाएं और हम आतंकवादी भेजेंगे ताकि वे आपको मार गिरा सकें। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ कृष्णमूर्ति की टिप्पणी की निंदा की और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष नारायणन त्रिपाठी ने कहा, डीएमके अध्यक्ष को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्हें एनआईए जांच के दायरे में रखा जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल रवि को मारने के लिए आतंकवादी भेजेंगे। इस बीच, कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों और अन्य सहयोगी सदस्यों ने भाषण विवाद को लेकर तमिलनाडु राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

त्रिपुरा में माकपा-कांग्रेस साथ लड़ेंगे चुनाव

» सीटों के बंटवारे के लिए राज्य कांग्रेस का दल माकपा राज्य सचिव के साथ करेगा मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतला। सीपीआई (एम) और कांग्रेस ने घोषणा की है कि वे त्रिपुरा विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे। इससे पहले, यहां दोनों दलों को कट्टर प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। कांग्रेस महासचिव अजय कुमार ने शाम सीपीआई (एम) के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की। बैठक में वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कार भी मौजूद थे।

कुमार ने संवाददाताओं से कहा, कि रणनीति तैयार करने और सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए राज्य कांग्रेस की एक टीम माकपा के राज्य सचिव के साथ बैठेगी। हम विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। त्रिपुरा में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चौधरी ने कहा कि माकपा और कांग्रेस दोनों ने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और भाजपा को हराने के लिए खुले दिमाग से चर्चा शुरू की है, जो पिछले पांच वर्षों से राज्य में संवैधानिक व्यवस्था को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन भगवा पार्टी की हार मुख्य एजेंडा है। चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत देबबर्मा के साथ भी बातचीत कर रही है। यह घोषणा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि कांग्रेस सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की मुख्य विपक्ष थी, जिसने 2018 में भाजपा द्वारा पराजित होने से पहले 25 वर्षों तक त्रिपुरा पर शासन किया था।

राजनीतिक परिदृश्य में होगा महत्वपूर्ण बदलाव

भाजपा ने साधा निशाना

इस बीच, सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा कि माकपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन उसके लिए शुभ संकेत होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्य ने कहा, पहले वे गुप्त रूप से मधुर संबंध बनाए रखते थे और अब यह खुले में होगा। वास्तव में, माकपा ने कांग्रेस के साथ अपनी समझ के कारण इतने लंबे समय तक शासन किया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

समस्या का समाधान खुद खोजें युवा : राजनाथ सिंह

» कहा-असफलता से सीखें और उसके अनुसार ही आगे बढ़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से ज्यादातर समस्याओं का समाधान खुद खोजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जीवन की समस्याओं का समाधान निकालना, जहां अच्छी जिंदगी जीने का लक्ष्य होता है, वहीं यह एक सफल बिजनेस आइडिया भी बन जाता है। वे एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को संबोधित कर रहे थे।

बतौर मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री ने कहा कि यह हमारे देश की युवा पीढ़ी की इनोवेटिव और इंटरप्रेन्योरशिप स्किल ही है कि जहां 2104 में देश में 500-600 स्टार्टअप थे, वहीं आठ साल में इनकी संख्या 80 हजार से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि जब आप अपने ज्ञान का प्रयोग मानव कल्याण के लिए करते हैं तो आपका ज्ञान और बेशकीमती हो जाता है। उन्होंने कहा कि सफलता, असफलता चलती रहती है। जरूरत इस बात की है कि असफलता से आपने क्या सीखा और उसके अनुसार आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोई सफलता आखिरी नहीं होती और कोई विफलता आपकी जिंदगी को खत्म नहीं करती है। असफलता डराती है, लेकिन बेहतर करने के लिए प्रेरित भी करती है। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि आज लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं। हाल ही में उद्घाटित युद्धपोत पर भी महिला ऑफिसर तैनात हैं।

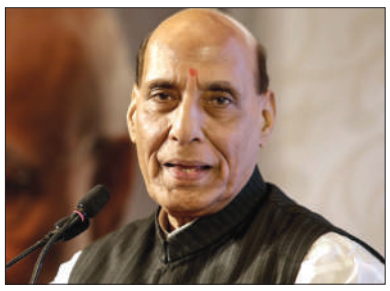

उपराष्ट्रपति के बयान पर मचा कोहराम

संसद को सर्वोच्च बताने पर कांग्रेस को एतराज

» संविधान सबसे बड़ा है, विधायिका-न्यायपालिका उसी में समाहित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति धनखड़ का संसद को सर्वोच्च बताना कांग्रेस को नागवार गुजरा है। कांग्रेस ने कहा भारत कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। सभी संस्थाए संविधान में समाहित हैं। हालांकि इस तरह के बयान पहले भी विवाद का विषय बनते रहे। भारत में जिस तरह की शासन व्यवस्था उसमें भारतीय संविधान ही सर्वोच्च है। उसी के मार्गदर्शन में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाती है। विधायिका व कार्यपालिका में तकरार होने की खबरे अमूमन आती नहीं है पर न्यायपालिका व विधायिका में असहमति की खबरे सुर्खियां बनती हैं। अभी हाल में न्यायपालिका पर जगदीप धनखड़ की टिप्पणी भी अखबारों व चैनलों की हेडलाइन बन गइ।

इसके बाद राजनीति भी गरमा गई है। उनके इस बयान पर कांग्रस हमलावर होते हुए उन्हें पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की पुरानी टिप्पणी का हवाला देकर उनको घेर रही है। कांग्रेस ने धनखड़ से पहले उपराष्ट्रपति रहे एम वेंकैया नायडू की 2020 में दी गई टिप्पणी कि राज्य के तीन अंगों में से कोई भी सर्वोच्च होने दावा नहीं कर सकता है को कोड करके वर्तमान उपराष्ट्रपति को घेरने की कोशिश की है। गौरतलब हो की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि न्यायिक प्लेटफार्मों से खुद को श्रेष्ठ घोषित करना और सार्वजनिक दिखावा अच्छा नहीं है। इन संस्थानों को पता होना चाहिए कि खुद को कैसे संचालित करना है। धनखड़ ने ये बाते तब की जब वह राजस्थान विधानसभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। संवैधानिक संस्थाओं के अपनी सीमाओं में रहकर संचालन करने की बात करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा था कि संविधान में संशोधन का संसद का अधिकार क्या किसी और संस्था पर निर्भर कर सकता है। उन्होंने कहा था यदि संसद के बनाए गए कानून को किसी भी आधार पर कोई भी संस्था अमान्य करती है तो ये प्रजातंत्र के लिए ठीक नहीं होगा। बल्कि ये कहना मुश्किल होगा क्या हम लोकतांत्रिक देश हैं। इस मुद्दे पर हमले को तेज करते हुए कांग्रेस के महासचिव और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि चिदंबरम ने न्यायपालिका पर उपराष्ट्रपति के हमले का स्पष्ट रूप से जवाब दिया है कि संविधान सर्वोच्च है, ना कि संसद। सिर्फ एक साल पहले धनखड़ के पूर्ववर्ती वेंकैया नायडू ने भी वही कहा था, जो चिदंबरम ने कहा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू ने कहा था कि राज्य के तीन अंगों में से कोई भी सर्वोच्च होने का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि केवल संविधान ही सर्वोच्च है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका संविधान में परिभाषित संबंधित डोमेन के भीतर काम करने के लिए बाध्य हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा था कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ जब कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, तो वो गलत हैं। दरअसल, ये संविधान है, जो सर्वोच्च है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि संविधान के मूलभूत सिद्धांतों पर बहुसंख्यकवादी चालित हमले को रोकने के लिए मूल संरचना सिद्धांत विकसित किया गया था। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जयपुर में 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए 2015 में एनजेएसी अधिनियम को रद करने की आलोचना की थी। उन्होंने 1973 के ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा था कि ये एक गलत मिसाल कायम करता है। उन्होंने कहा था कि वो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से असहमत हैं कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती हैं, लेकिन इसकी मूल संरचना में नहीं।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ जब कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, तो वो गलत हैं। दरअसल, ये संविधान है, जो सर्वोच्च है।

'सदस्यों को मिले ज्यादा सवाल पूछने का हक'

विधानसभा सत्र का सत्रावसान किए बिना सीधे सत्र बुलाने की परिपाटी अलोकतांत्रिक

» गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने को सदनों में निर्धारित संख्या भी नहीं पहुंचती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने असेंबली सेशन का सत्रावसान किए बिना सीधे सत्र बुलाने की परिपाटी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए घातक बताया है। उन्होंने इस तरह की परंपरा पर कहा कि इससे विधायकों के सवाल सीमित हो जाते हैं। राज्यपाल की चिंता जायज है पर यहां पर एक बात और निकलती है कितने विधायक अपने-अपने विधानसभाओं सक्रिय रहते हैं। कई बार देखा गया है महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा के समय भी बहुत से विधायक अनुपस्थित रहते हैं। राज्यो में किसी भी दल की सरकार हो विधायकों की संख्या को लेकर कभी-कभी सदन कोरम को भी तरस जाते हैं। ऐसा नहीं है ये हाल क ांग्रेसी राज्यों में ही है ऐसा हाल भाजपा व अन्य दलों की सरकारों में देखने को मिलती है।

उत्तरी हो दक्षिणी राज्य सब जगह सत्रों को छोटा करने की परंपरा सी बन गई है। इस तरह की छोटे सत्र का सबसे बड़ा नुकसान होता आम आदमी को। हालांकि राजनैतिक विश्लेषकों कहना है कि जानबूझकर सरकारे सत्र को छोटा करती है ताकि उन्हें विपक्ष के हमलों से दो-चार न हो पड़े। गौरतलब हो कि जब सत्र छोटे होते हैं बहुत विधायक अपने क्षेत्र के जनहित के मामलों को सदन में नही उठा पाते और वह मुद्दे समाप्त हो जाते है। इसका परिणाम यह होता है कि मुद्दे खत्म नहीं होते सरकारें बदलती चली जाती हैं। अभी हाल में गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुए राज्यपाल कलराज मिश्रा ने कहा है कि इससे विधायकों को तय संख्या में सवाल पूछने के अलावा कोई अवसर नहीं मिल पाता। इस बात को राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधानसभा में दो दिवसीय स्पीकर्स सम्मेलन के समापन समारोह में उठाया। कुल मिलाकर राज्यपाल का कहना है कि विधायकों के सवालों को सीमित करने की परिपाटी गलत है। उन्होंने कहा- सदन की बैठकों की कम होती संख्या चिंता की बात है। इससे जनता की समस्याओं को उठाने का समय नहीं मिल पाता है। उनकी चिंता जायज है पर अब राज्यपाल महोदय को कौन बताए कि पूरी स्वतंत्रता होने के बावजूद कितने विधायक, आखिर कितने सवाल पूछते हैं? सवाल पूछने के प्रति वे कितने सजग और उत्सुक होते हैं? फिर सवाल भी कैसे - कैसे? कुछ साल पहले एक तुलनात्मक अध्ययन में यह बात सामने आई थी कि विधानसभा में कई विधायक अपने और अपने परिवार या मित्रों के व्यापार या व्यवसाय से जुड़े ज्यादातर सवाल पूछते हैं। आखिर जिन लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की चिंता राज्यपाल महोदय जता रहे हैं, उनका तब क्या होगा जब चुनने वाली, वोट देने वाली जनता का अपने प्रतिनिधियों पर विश्वास ही नहीं रह जाएगा? क्योंकि जनता का अपने प्रतिनिधियों में विश्वास बना रहे, ऐसा न तो वे कुछ करते और न ही ऐसा कुछ करते हुए वे दिखाई देते! होना यह चाहिए कि विधायक, सांसद ही नहीं, महापौर, पार्षद, जनपद अध्यक्ष, यहाँ तक कि पंच और सरपंचों को भी जनता का विश्वास जीतने और बनाए रखने के लिए जी तोड़ मेहनत करनी चाहिए। लोकतंत्र को सम्मान देने का इससे अच्छा कोई तरीक़ा नहीं है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा- विधानसभा सत्र का सत्रावसान नहीं होने का विधायकों को नुकसान होता है। सवाल पूछने का मौका नहीं मिलने से संवैधानिक प्रक्रियाएं पूरी नहीं होती हैं।

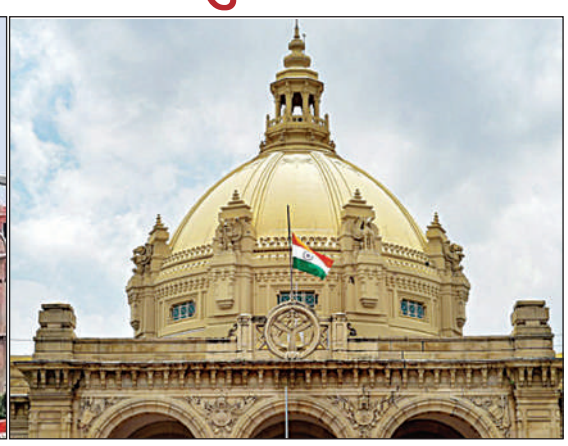

विधायकों का होता है नुकसान

विधानसभा सत्र का सत्रावसान नहीं होने का विधायकों को नुकसान होता है। सवाल पूछने का मौका नहीं मिलने से संवैधानिक प्रक्रियाएं पूरी नहीं होती हैं। जनता का विश्वास बना रहेगा तो लोकतंत्र अक्षुण्ण रहेगा और राजनीति में भी धीरे- धीरे शुद्धता आती जाएगी। यह समय देश की हर अच्छी ताक़त को जुड़कर, मिलकर, राजनीति की शुद्धता के लिए संघर्ष करने का है। सही मायने में सफलता का अर्थ यही होता है कि देश और दुनिया में हर जगह, हर मोर्चे पर अच्छी ताक़तों की बहुतायत हो और वे तमाम अच्छी ताक़तें मिलजुल कर किसी काम में लग जाएँ या लगी रहें। जहां तक विधायकों के ज़्यादा से ज़्यादा सवाल पूछने का मामला है, उसमें सुधार तभी आ सकता है जब वे खुद सच्ची भावना से जनता की समस्याओं को हल करने की इच्छशक्ति रखते हों!

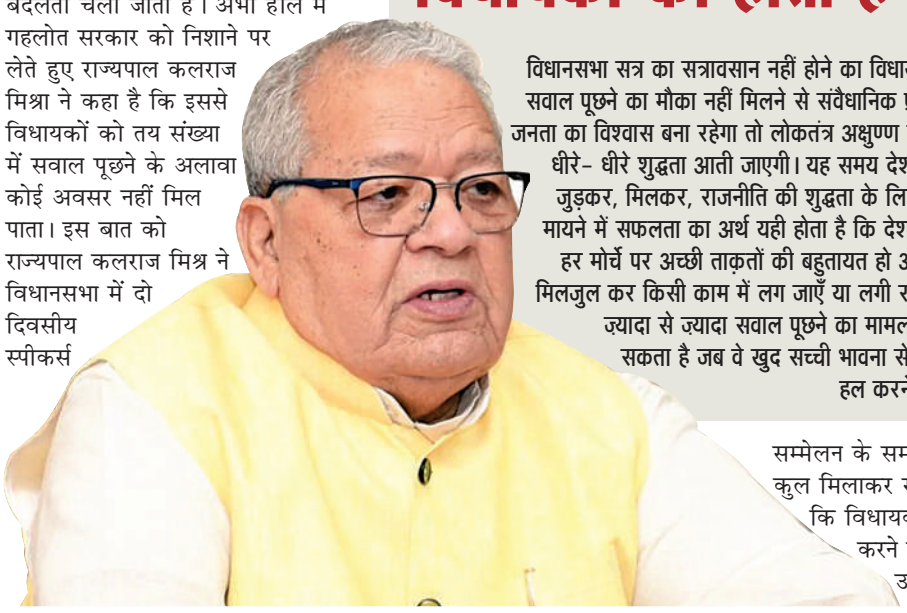

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्वयंवर से निकाह तक राखी सावंत

राखी सावंत बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन मानी जाती हैं। बॉलीवुड से जुड़े लोग सुर्खियां बटोरने के लिए अपनी एक्टिंग का सहारा लेते हैं, लेकिन राखी सावंत अपने बड़ बोले अंदाज से अलग ही पहचान रखती हैं। दरअसल, राखी सावंत अपने एक रिएलिटी शो स्वयंवर से देश में चर्चा में आईं थी। इस शो में उनका स्वयंवर हुआ था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में शादी की बात से पल्ला झाड़ लिया था। कहा था कि उस शो में सिर्फ उनके साथ धोखा हुआ। उसके बाद राखी सावंत का साल 2019 में दीपक कलाल के साथ साथ जुड़ा और दोनों ने मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी। मगर शादी से कुछ दिन पूर्व अचानक मीडिया में आकर राखी सावंत ने फिर से खुद को धोखे का शिकार बता दिया। इस बार खबर आई कि शादी से पहले ही उनका होने वाला हमसफर दीपक कलाल भारत छोड़कर विदेश चला गया। इससे एक बार फिर राखी का रानी बनने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन राखी सावंत इन हादसों से गुजरने के बाद भी हारी नहीं। उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का मनोरंजन करना जारी रखा। समय-समय पर उठे विवाद में आगे आकर राखी ने कई बॉलीवुड सितारों का साथ दिया, जिससे उसकी चर्चाएं टीवी पर खूब होती रहीं।

आखिरकार 2021 में राखी सावंत की जिदंगी में आदिल दुर्रानी की एंट्री हुई और इस बार वो आदिल की मोहब्बत में इस तरह गिरफ्तार हो गई कि स्वयंवर करने वाली राखी ने इस बार निकाह कर लिया। अब वह राखी सावंत से फातिमा बीवी बन गईं। बॉलीवुड से छन-छनकर सोशल मीडिया के जरिए आ रही खबरों की माने तो इस बार राखी मां बनने वाली थीं, जिसके चलते राखी और आदिल दोनों ने निकाह की रस्म को अदा किया है। उधर, खबर ऐसी भी है कि आदिल दुर्रानी ने राखी से शादी की बात पर साफ इंकार कर दिया है। दरअसल, राखी सावंत ने अपने पहले बयान में कहा था कि आदिल ने उनको धोखा दिया है। उनकी शादी सात महीने पहले हुई है और अब आदिल उनसे शादी की आधिकारिक तौर पर पुष्टि करने से बच रहा है। फिलहाल सोशल मीडिया पर दोनों के निकाह की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में राखी और आदिल दोनों निकाहनामा पर हस्ताक्षर करते नजर आ रहें हैं। लेकिन आदिल ने इस शादी वाली खबर पर कुछ भी बोलने से साफ मना कर दिया है। वहीं, सोशल मीडिया पर राखी एक बार फिर मजाक का विषय बन कर रह गई हैं। यूजर लिखते हैं कि ये राखी का नया ड्रामा है। कुछ यूजर ने लिखा है कि ये राखी का सुर्खियों में बने रहने का नया फंडा है, तो कुछ लोग राखी सावंत को उनके शादीशुदा जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दे रहें हैं। हालांकि इस बात की पुष्टि अभी नहीं हो पा रही है कि आखिर इस बार माजरा क्या है? अभी यह एक रहस्य बना हुआ है कि राखी का निकाह अबकी बार सच्चा है या फिर पहले जैसा ही शादी का षड़यंत्र रचा गया है। मगर कुछ भी हो सोशल मीडिया की वायरल तस्वीरों के बाद से लोगों में राखी और आदिल के निकाह की चर्चाएं खूब हो रही हैं।

राखी सावंत अपने एक रिएलिटी शो स्वयंवर से देश में चर्चा में आईं थी। इस शो में उनका स्वयंवर हुआ था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में शादी की बात से पल्ला झाड़ लिया था। कहा था कि उस शो में सिर्फ उनके साथ धोखा हुआ। उसके बाद राखी सावंत का साल 2019 में दीपक कलाल के साथ साथ जुड़ा और दोनों ने मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जवाब मांगते समय के सुलगते सवाल

विश्वनाथ सचदेव

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' जब शुरू हुई तो ऐसे लोगों की कमी नहीं थी, जिन्होंने इसे संशय की दृष्टि से देखा था। बहुतों ने मजाक भी उड़ाया था और बार-बार इस आशय का संदेश देने की कोशिश की थी कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का यह दांव 'सफल' होने जैसी चीज ही नहीं है। सफलता से उनका क्या आशय था, यह तो नहीं पता, पर जिस तरीके और गति से यह यात्रा आगे बढ़ रही है, उसने देश के सत्तारूढ़ दल में खलबली अवश्य मचा दी है। इस यात्रा को जो जन-समर्थन मिल रहा है और जिस तरह से राहुल गांधी की छवि में अंतर आ रहा है, वह कांग्रेस पार्टी के लिए निश्चित रूप से उत्साहवर्धक है और भाजपा के लिए चिंता की बात भी।

यह कहना तो अभी मुश्किल है कि कांग्रेस पार्टी को इस यात्रा का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा अथवा यह जन-समर्थन आम चुनाव में वोटों में कितना बदलेगा, पर यह स्पष्ट दिख रहा है कि यात्रा की शुरुआत में 'भारत जोड़ने' को लेकर कांग्रेस-विरोधी जो मजाक उड़ा रहे थे, अब उनका स्वर धीमा पड़ गया है। भाजपा के छोटे-बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफगानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए! उनके कहने का मतलब साफ था कि भारत तो अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला था, इन देशों को भारत में जोड़ने की बात राहुल गांधी को करनी चाहिए। सच पूछा जाये तो आज यह सोच ही मजाक लग रहा है, पर यही कह कर कोशिश की जा रही थी इस यात्रा का मजाक उड़ाने की। यह सही है कि देश को जोड़ने की अपनी बात को, और अपनी इस कोशिश को, राहुल गांधी चुनावी राजनीति से अलग करके दिखाना चाह रहे हैं, पर हकीकत यही है कि यह एक सोचा-समझा राजनीतिक दांव है। अब जबकि यात्रा दो-तिहाई से अधिक पूरी हो चुकी है, भाजपा को भी यह डर सताने लगा है कि कहीं दांव सफल न हो जाये! इसी डर के चलते भाजपा ने अपने दांव शुरू कर दिये हैं। भाजपा की चुनावी रणनीति के सूत्रधार और देश के गृहमंत्री ने पिछले दिनों त्रिपुरा की एक 'चुनावी रैली' में 'राहुल बाबा' से कान खोलकर सुनने के लिए कहा है कि एक जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में 'भव्य राममंदिर' का 'लोकार्पण' करेंगे। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनने वाला राम मंदिर तो पूरा होना ही था, उसे लेकर अब इस तरह की बयानबाजी का मतलब यही

है कि भाजपा को लग रहा है कि राम के सहारे ही उसकी नैया पार लग सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि 1 जनवरी, 2024 को, यानी आम चुनाव वाले साल के पहले दिन यदि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के किनारे लगा दिये गये नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती जैसे नेताओं को साथ लेकर 'भव्य और गगन चुंबी' राम-मंदिर में प्रवेश करते हैं तो एक बार फिर उन्हें राम के नाम पर वोट पाने का मौका मिल जायेगा। यह सही है कि भाजपा की चुनावी राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी एक करिश्माई व्यक्तित्व के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर सही यह भी है कि राम मंदिर का चुनावी-लाभ भी भाजपा लगातार उठाती रही है। यह भी सही है कि 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा काफी सफल रहा है, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा ने धर्म के नाम पर बांटने की नीति का भी खूब लाभ उठाया है। स्पष्ट है, लगभग साल भर बाद होने वाले आम चुनाव में भाजपा मंदिर के मुद्दे का पूरा लाभ उठाना चाहती है। हाल ही में कर्नाटक में भी एक भव्य राम-मंदिर बनाया गया है, गृहमंत्री उसका भी लोकार्पण करने जाने वाले हैं। यह सब इस बात का निश्चित संकेत है कि भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व के मुद्दे का चुनावी-लाभ उठाने जा रही है। एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम के बीच दरारें बढ़ेंगी, दीवारे उठेंगी। आम चुनाव अभी कुछ दूर हैं, पर नौ राज्यों में चुनाव बहुत दूर नहीं है। यह देखना दिलचस्प होगा कि महंगाई और बेरोजगारी जैसे जमीनी हकीकत वाले मुद्दों का मुकाबला भाजपा कैसे करेगी। देश में बेरोजगार युवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। आंकड़ों से भले ही कुछ भी समझाने की कोशिश की जा रही हो, पर भूख का तर्क सबसे मजबूत होता है। अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन देने की योजना को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। इन 'रेवड़ियों' का लाभ भाजपा को मिल सकता है, पर यह सवाल तो पूछा ही जायेगा कि वे कैसी नीतियां हैं जिनके चलते देश की आधी से ज्यादा आबादी को मुफ्त अनाज देने की जरूरत खत्म ही नहीं हो रही? इस आबादी को समुचित रोजगार क्यों नहीं मिल पा रहे? इस तरह रेवड़ियां बांटने का चुनावी लाभ भाजपा को भले ही मिल जाये, पर यह स्थिति डरावनी है। बेरोजगारी रोजगार उपलब्ध कराने से ही दूर होगी, अन्यथा आज नहीं तो कल, स्थिति विस्फोटक बन सकती है।

आर्थिक बदहाली में पाकिस्तान को तालिबानी चुनौती

जी. पार्थसारथी

न्यूयॉर्क में अल कायदा के 9/11 के आतंकी हमले के बाद से अमेरिका ने तमाम साजिशकर्ताओं और मददगारों को खोजने हेतु वैश्विक अभियान चलाए। इस कांड का सूत्रधार ओसामा बिन लादेन, जो पाकिस्तान के एबटाबाद छावनी इलाके में अतिविशिष्ट सैन्य प्रशिक्षण केंद्र से सटी बस्ती में छिपा बैठा था, 11 मई, 2011 को मार गिराया। 9/11 के बाकी बचे सूत्रधारों की खोज अभी भी जारी है। गत 2 अगस्त, 2022 को राष्ट्रपति बाइडेन ने घोषणा की कि काबुल के बीचोंबीच छिपा और ओसामा बिन लादेन का उत्तराधिकारी 71 वर्षीय अल जवाहिरी भी अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। बाइडेन ने जवाहिरी को अमेरिकी भूमि पर मारे गए 2977 निर्दोष नागरिकों की मौत के सबसे बड़े दोषियों में एक बताया, जो दशकों तक अमेरीकियों के खिलाफ अनेकानेक हमलों का मास्टरमाइंड भी रहा।

लेकिन हकीकत यह है कि लादेन की मौत के बाद अल कायदा गुट दुनियाभर में लगातार बिखरता गया था। वक्त के साथ अन्य कट्टरवादी पाकिस्तानी आतंकी गुट उभरते गए, जिनके निशाने पर लेकिन भारत नहीं था। यहां तक कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के निकट सहयोग से ग्वादर बंदरगाह परियोजना बना रहे चीन को स्थानीय नागरिकों का कोपभाजन का शिकार बनना पड़ा है। इस समूचे उप-महाद्वीप में अभी भी दो बड़े सशस्त्र एवं कट्टर इस्लामिक आतंकी गुट सक्रिय हैं, एक है अफगान तालिबान और दूसरा है इसका पश्तून हमबिरादर तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान (टीटीपी)। यह दोनों गुट आईएसआई के निकट सहयोग से शुरू हुए और अब दोनों ही आईएसआई से खफा और खिलाफ हैं। टीटीपी का प्रभावक्षेत्र पाकिस्तानी खैबर पख्तूनवा के कबायली अंचल में अधिक है, हालांकि कुछ संख्या पाकिस्तान के उत्तर बलूचिस्तान इलाके में भी है। सीमांत और उत्तर के जनजातीय इलाके में टीटीपी के बढ़ते प्रभाव के पीछे अफगान तालिबान का हाथ पीठ पर होना है और इससे पाकिस्तानी सरकार चिंतित और नाराज है। अनुमान है कि पिछले तीन महीनों में टीटीपी ने इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले सहित लगभग 140 आतंकी वारदातें की हैं। फिलहाल पाकिस्तान-टीटीपी के बीच शांति वार्ता की संभावना क्षीण है।

एक हालिया टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि अगर अफगान सरकार टीटीपी पर कड़ी कार्रवाई नहीं करेगी तो पाकिस्तान उन्हें खुद निशाना बनाने से गुरेज नहीं करेगा। पाकिस्तान का मानना है कि अफगानिस्तान और उसके अपने कबायली इलाके में टीटीपी के तकरीबन 7-10 हजार लड़ाके हैं। उधर, अफगानिस्तान के उपप्रधानमंत्री अहमद यासीर ने पाकिस्तानी धमकी का लगभग मखौल उड़ाते हुए, ऐसा करने पर, गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दे डाली। आगे और चिढ़ाने की खातिर 17 दिसम्बर, 1971 के दिन, बांग्लादेश युद्ध में, भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते पाकिस्तानी जनरल एएके नियाजी की फोटो ट्वीटर पर साझा कर डाली! टीटीपी के उद्भव के लिए और कोई नहीं बल्कि खुद पाकिस्तान जिम्मेवार है क्योंकि अपनी भूमि पर जिन अफगान तालिबान की मेजबानी की, हथियार, उपकरण और सिखलाई देकर सुसज्जित किया, उन्होंने ही अपने पाकिस्तानी पश्तून भाइयों को तैयार किया है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के पलायन के बाद कुछ तालिबान नेता सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। अभी तक पाकिस्तान तालिबान को अपना समर्थन देने के लिए मानता आया है कि काबुल की सत्ता में उनकी मौजूदगी से भारत के विरुद्ध सामरिक बढ़त रहेगी। यह नीति तब से जारी है जब आईएसआई की मदद से तालिबान आतंकी इंडियन एयरलाइंस की उड़ान आईसी-814 को अपहृत कर काबुल ले गए थे। हालांकि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है, लेकिन मेडिकल और अन्य मानवीय सहायता प्रदान कर यथेष्ट व्यावहारिक संबंध कायम कर रखा है, इसके लिए काबुल में एक दफ्तर समन्वय कर रहा है। रूस और चीन की तरह भारत ने भी तालिबान के साथ संबंधों को लेकर विपरीत या नुक्ताचीनी वाला रुख नहीं अपनाया। उम्मीद है आगे भी भारत अफगान लोगों के लिए मानवीय सहायता के तहत भोजन, मेडिकल और आर्थिक मदद जारी रखेगा, किंतु तमाम पहलू ध्यान में रखकर।

पाकिस्तान अब सीधे-सीधे टीटीपी लड़ाकों पर हमले की धमकी दे रहा है, जाहिर है यह चेतावनी अमेरिका की शह और मदद से है। लेकिन यह हरकत ड्यूरंड सीमारेखा के आरपार के पश्तूनों में पाकिस्तानी सेना का मुकाबला करने में एका बनाने का इंतजाम कर देगी। अनुमान है कि पिछले साल आपसी सशस्त्र संघर्ष में 374 पाकिस्तानी फौजी और 365 टीटीपी लड़ाके मारे गए हैं। पाकिस्तान और अमेरिकी सरकारों द्वारा अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक विषय की ओर ही ध्यान ज्यादा रखने से आम नागरिकों को दरपेश नित बढ़ती मुश्किलें गौण हो चुकी हैं, जबकि अमेरिका, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष और अन्य मित्र राष्ट्र जैसे कि सऊदी अरब और चीन की मदद के बावजूद पाकिस्तान दिवालिया होने की ओर लगातार बढ़ रहा है। पाकिस्तान के अनुभवी और चतुर वित्तमंत्री इशाक डार, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भी पसंदीदा हैं, अपने भद्र काबीना सहयोगी और योजना मंत्री एहसान इकबाल के साथ करीबी तालमेल बनाते हुए देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए यथार्थवादी नीतियां बरत रहे हैं।

सर्दियों में बढ़ जाता है मांसपेशियों में दर्द

खानपान का रखें विशेष ध्यान

ठंड के मौसम में सर्द हवाएं और गिरता तापमान, हमारी सेहत को कई तरह से प्रभावित करता है। ठंड लग जाने से शरीर के कई हिस्सों में दर्द महसूस हो सकता है, जो आपके रोजमर्रा के कामों को मुश्किल बनाता है। साथ ही तापमान में गिरावट से हम थकावट भी महसूस करते हैं। खासतौर पर उम्रदराज लोग और जो लोग आर्थराइटिस से जूझ रहे हैं, उन्हें काफी दर्द का सामना करना पड़ सकता है। मांसपेशियों को दर्द होने पर ठंड में खानपान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। ठंड में ज्यादा वसायुक्त भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। सर्दी से बचने के लिए गर्म तासीर वाले खाद्य पदार्थों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। ठंड में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। रोजाना एक्सरसाइज करने के साथ हेल्दी डाइट लें। जिसमें ओमेगा-3 को शामिल करें, इससे दर्द में आराम मिलेगा।

एक्टिविटी की कमी

सर्दियों में ठंड की वजह से हमारी एक्टिविटी कम हो जाती है, जिसकी वजह से लोग हड्डियों या फिर मांसपेशियों में दर्द का अनुभव करते हैं। जब हम एक्सरसाइज नहीं करते हैं, या कम चलते-फिरते हैं, तो इससे शरीर में अकड़न आ जाती है। इस दौरान ज्यादातर लोग सिर दर्द, गर्दन या पीठ में अकड़न आदि महसूस करते हैं। अगर आपको ठंड से बॉडी में दर्द होता है, तो बाहर निकलने से पहले खुद को अच्छे से कवर करें। ऑटो में सफर करते हैं, तो मोटा स्वेटर, जैकेट और मफलर जरूर पहनें। मौसम चाहे कैसा भी हो शारीरिक एक्टिविटी जरूर होनी चाहिए ताकि शरीर लचीला रहे और हड्डियां और मांसपेशियां स्वस्थ रहें। खासतौर पर अगर आप उम्रदराज हैं और आर्थराइटिस के शिकार भी हैं, तो एक्सरसाइज की कमी से ठंडे तापमान में अकड़न होना जायज है।

दर्द से बचने के लिए करें ये उपाय

सुबह उठते ही सबसे पहले मांसपेशियों के दर्द से बचने के लिए ठंड में रोज कम से कम 40 मिनट के लिए व्यायाम जरूर करें। इससे शरीर में गर्मी आएगी। इसके अलावा आप अदरक की चाय, काढ़ा या फिर सूप जैसी गर्म ड्रिंक्स भी सकते हैं। अगर आपको अर्थाराइटिस है, तो रूम हीटर का उपयोग आपको आराम पहुंचाएगा। अधिकांश लोगों में कमर दर्द या जोड़ों में दर्द की समस्या ज्यादा रहती है, इसलिए कमर दर्द दूर करने वाले कुछ योगासन भी कर सकते हैं। ठंड के मौसम में शारीरिक मेहनत करने से बचना नहीं चाहिए। शारीरिक रूप से सक्रिय रहेंगे तो मांसपेशियों के अकड़न कम होने लगेगी और दर्द से भी राहत मिलेगा।

मेथी के लड्डू खाने से दर्द में मिलती है राहत

सर्दी के मौसम में मेथी के लड्डू का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। यदि आप मेथी के लड्डू बनाकर खाते हैं तो इससे इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। गर्मा गर्म दूध के साथ मेथी के लड्डू काफी स्वादिष्ट लगते हैं। कमर और जोड़ों के दर्द को दूर करने में मेथी के लड्डू मदद करते हैं। बच्चा होने के बाद अक्सर महिलाओं को मेथी के लड्डू खिलाए जाते हैं। साथ ही बुजुर्गों की कमजोर होती हड्डियों को मजबूत बनाने और शरीर में गर्मी, ताकत और बीमारियों से दूर भगाने में भी मेथी के लड्डू मदद करते हैं।

विटामिन-डी का गिर जाता है स्तर

विटामिन-डी हमारी हड्डियों, दांत और जोड़ों की सेहत के लिए बेहद जरूरी होता है।सर्दी के मौसम में धूप कम निकलती है, जिसकी वजह से शरीर में विटामिन-डी की कमी होना आम बात है। अगर आप अक्सर थकावट या जोड़ों में दर्द महसूस कर रहे हैं, तो विटामिन-डी टेस्ट जरूर करवाएं। उसके बाद डॉक्टर से सप्लीमेंट्स के बारे में सलाह करें। सर्दियों में इसका स्तर कम होने से शरीर कैल्शियम और फॉसपोरस को अवशोषित करने में असमर्थ हो जाता है, जिससे हड्डियों में कमजोरी, हड्डी का टूटना, मांसपेशियों में अकड़न और मांसपेशियों का कमजोर पड़ना शामिल है।

हंसना मना है

डॉक्टर: अब क्या हाल है? मरीज: पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर: दवाई खाली थी क्या? मरीज: नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर: मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज: आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर: बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज: नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर: गधे दवाई को पीलिया था? मरीज: नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कूटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस: चलो स्कुटी साइड में खडी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी: सर मुझे माफ कर दो।

पति के मरने के बाद, पत्नी ने अखबार में इश्तिहार दिया। अंतिम संस्कार में जो भी आये उनके लिए धन्यवाद! शोकाकुल: काजल, उम्र 26, गोरा रंग, 36 24 36, बच्चे नहीं है।

कामवाली: मालकीन आपकी पुरानी साड़ी मुझे नहीं चाहिए। मालकीन: क्यू? कामवाली: आपकी साड़ी पहनने के बाद साहब मेरे पास भी नहीं आते, और ड्राइवर परेशान करता है।

ट्रैफिक पुलिस: तुम्हे रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी: दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहा छुप कर बैठे थे।

कहानी | चींटी और टिड्डा

एक बार गर्मी के मौसम में एक चींटी कड़ी मेहनत से अपने लिए अनाज जुटा रही थी। वह सोच रही थी कि धूप तेज हो जाए, इससे पहले क्यों न अपना काम पूरा कर लिया जाय। वह रोजाना खेत से उठाकर दाने अपने बिल में जमा करती थी। वहीं, पास में ही एक टिड्डा फुदक रहा था। मस्ती में वह नाच रहा था। पसीने से तरबतर चींटी अनाज लेकर बिल की तरफ जा रही थी, तभी टिड्डा फुदककर उसके सामने आ गया। बोला, प्यारी चींटी क्यों इतनी मेहनत कर रही हो। आओ मजे करें। चींटी ने टिड्डे को नजरअंदाज किया और खेत से उठाकर एक-एक दाना अपने बिल में जमा करती रही। मस्ती में डूबा टिड्डा चींटी को देखकर हंसता और मजाक उड़ाता। टिड्डा की हरकतों से चींटी परेशान हो गई। उसने समझाते हुए कहा, सुनो टिड्डा- ठंड का मौसम कुछ दिन बाद ही आने वाला है। तब खूब बर्फ गिरेगी। कहीं भी अनाज नहीं मिलेगा। मेरी सलाह है, अपने खाने का इंतजाम कर लो। धीरे-धीरे गर्मी का मौसम खत्म हो गया। मस्ती में डूबे टिड्डे को पता ही नहीं चला कि गर्मी कब खत्म हो गई। बारिश के बाद ठंड आ गई। कोहरे और बर्फबारी की वजह से बमुश्किल सूरज के दर्शन हो रहे थे। टिड्डे ने अपने खाने के लिए बिल्कुल भी अनाज नहीं जुटाया था। हर ओर बर्फ की मोटी चादर पड़ी थी। भूख से टिड्डा तड़पने लगा। टिड्डे के पास बर्फबारी और ठंड से बचने का भी इंतजाम नहीं था। तभी उसकी नजर चींटी पर पड़ी। अपनी बिल में चींटी मजे से जमा किए हुए अनाज खा रही थी। तब टिड्डे को एहसास हुआ कि समय को बर्बाद करने का उसे फल मिल चुका है। भूख और ठंड से तड़पते टिड्डे की फिर चींटी ने मदद की। खाने के लिए उसे कुछ अनाज दिए। चींटी ने ठंड से बचने के लिए खूब घास-फूस जुटाए थे। उसी से टिड्डे को भी अपना घर बनाने के लिए कहा।

7 अंतर खोजें

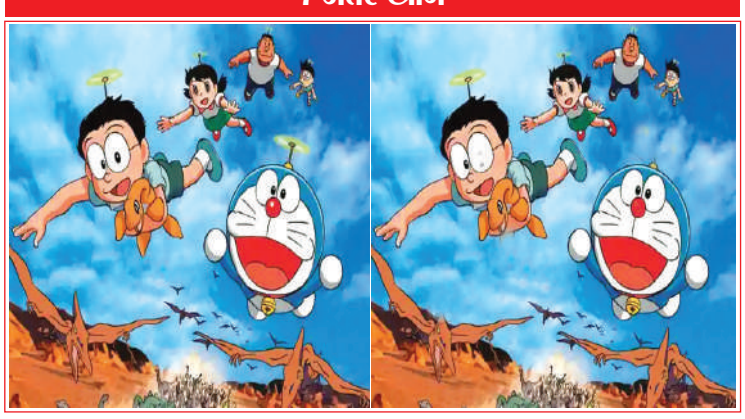

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज मकर संक्रांति का दिन खुशियों से भरा रहेगा। विवाहित जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। गाय को रोटी खिलाएं, आपके प्रेम-संबंधों में मधुरता आयेगी।

वृषभ आज आपकी सभी इच्छाओं की पूर्ति होगी। माता-पिता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार की चिंता बनी रहेगी। यात्रा काफी मनोरंजक होने के साथ-साथ लाभकारी भी होंगी।

मिथुन आर्थिक परेशानियों के चलते आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है, ऐसे लोगों से न कहें, जो आपसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

कर्क आज मकर संक्रांति का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आपका उदार भाव लोगों को काफी प्रभावित कर सकता है। ऑफिस में काम का बोझ थोड़ा बढ़ सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए अपनी मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का है। दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। घर में परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

कन्या जो धुंध आपके चारों तरफ छायी हुई है और प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा।

तुला मकर संक्रांति का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपके रूके हुए काम में सहयोगी से मदद मिल सकती है।

वृश्चिक आज आप बड़ी ऊर्जा और उत्साह से भरा पाएंगे। वित्त के संदर्भ में एक अनुकूल दिन आपके लिए महत्वपूर्ण है। गरीब व असहाय व्यक्ति की मदद करने से शनिदेव प्रसन्न होंगे।

धनु हर इंसान को गौर से सुनें, हो सकता है आपको अपनी समस्या का समाधान मिल जाए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा।

मकर आज आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी काम को लेकर आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। आज आपका झुकाव धार्मिक कामों की तरफ रहेगा।

कुम्भ आज मकर संक्रांति के दिन दांपत्य जीवन में खुशनुमा वक्त व्यतीत होगा। सेहत के मामले में आज का दिन सामान्य रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशियां मिलेंगी।

मीन लम्बी यात्रा के लिहाज से आपने सेहत और ऊर्जा-स्तर में जो सुधार किए हैं, वे काफी फायदेमंद रहेंगे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फंसने से बचे रहेंगे।

पानी पर तैरेगा फाइव स्टार होटल

दुनिया का सबसे लंबा रिवर क्रूज गंगा विलास भव्य और दिव्य है। रिवर क्रूज स्विट्जरलैंड के 32 पर्यटकों के साथ वाराणसी से बांग्लादेश के रास्ते असम के डिबरूगढ़ तक करीब 3200 किलोमीटर की यात्रा 51 दिनों में पूरी करेगा। यात्रा में 27 नदियों के साथ 50 पर्यटक स्थल जुड़ेंगे। इसके फर्नीचर, क्रॉकरी, कमरों के रंग व डिजाइन में 1960 के बाद के भारत की झलक दिखेगी। क्रूज की तस्वीरें विहंगम हैं और इसकी भव्यता का नजारा पेश करती हैं। गंगा विलास क्रूज की आधिकारिक जलयात्रा सितबंर से शुरू होने की संभावना है।

सुविधाओं से सुसज्जित है क्रूज गंगा विलास

अंतरा क्रूज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राज सिंह ने बताया कि यह क्रूज पूरी तरह से भारत में निर्मित हैं। देश भर के कई राज्यों के 40 क्रू के सदस्य हैं। क्रूज की लंबाई साढ़े 62 मीटर और चौड़ाई 12.8 मीटर है। इसमें पर्यटकों के रहने के लिए कुल 18 सुइट्स हैं। साथ में एक 40 सीटर रेस्टोरेंट, स्पा रूम और तीन सनडेक हैं। साथ में म्यूजिक का भी इंतजाम किया गया है। 32 पर्यटकों सहित कुल 80 यात्रियों के ठहरने की सुविधा है। क्रूज में तीन डेक हैं। तीनों डेक पर अलग-अलग सुविधाएं हैं। राज सिंह ने बताया कि पहले अलग-अलग नदियों में यात्रा के लिए अनुमति लेनी पड़ती थी लेकिन अब एक बार ही अनुमति लेकर क्रूज यात्रा शुरू हो सकती है।

40
हजार लीटर की है इसकी ईंधन क्षमता

32
पर्यटकों सहित कुल 80 यात्रियों के ठहरने की है सुविधा

18
सुइट्स हैं पर्यटकों के रहने के लिए

दस-पंद्रह किमी. की रहेगी जल पर गति

निदेशक ने बताया कि गंगा विलास क्रूज की अपस्ट्रीम में रफ्तार 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा है। डाउनस्ट्रीम में इसकी रफ्तार दोगुनी हो जाती है। क्रूज के संचालन में एक दिन में एक हजार लीटर डीजल खर्च होता है। इसकी ईंधन क्षमता 40 हजार लीटर की है। इस लिहाज से 40 दिन तक यह लगातार पानी पर तैर सकता है। क्रूज के संचालन के लिए पानी की गहराई 1.4 मीटर चाहिए। राज सिंह ने बताया कि गंगा विलास क्रूज की बुकिंग अगले दो वर्षों के लिए फुल हो गई।

आर्थिक संकट का सबब बन सकती हैं सरकार की गलत नीतियां : राहुल

कहा-लोगों के बेहतर भविष्य के सपने हो रहे हैं चकनाचूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र में वर्तमान सरकार के तहत देश में स्थायी आर्थिक संकट के बारे में लोगों को चेतावनी दी। राहुल ने कहा, एक स्पष्ट आर्थिक संकट पैदा हो रहा है- युवाओं में बेरोजगारी, असहनीय मूल्य वृद्धि, गंभीर कृषि संकट और देश की संपत्ति पर पूरी तरह से कॉर्पोरेट कब्जा। राहुल ने लोगों को संबोधित पत्र में कहा है, कि लोग अपनी नौकरी खोने के बारे में चिंतित हैं। उनकी आय में और गिरावट आ रही है। उनके बेहतर भविष्य के सपने चकनाचूर हो रहे हैं। देश भर में निराशा की गहरी भावना है।

जैसा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जम्मू और कश्मीर में अपनी 3500 किलोमीटर लंबी यात्रा के अंत के करीब है, पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के आगामी कायक्रम के तहत पार्टी सांसद राहुल गांधी ने देश के नागरिकों को शुक्रवार एक पत्र के जरिए संबोधित किया, जिसे घर-घर जाकर सौंपा जाएगा। कांग्रेस नेता और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने राष्ट्रीय राजधानी में मीडियाकर्मियों को 26 जनवरी से 26 मार्च तक भारत जोड़ो यात्रा के अनुवर्ती कार्यक्रम हाथ से हाथ जोड़ो के बारे में जानकारी दी और कहा कि कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और लोगों को राहुल गांधी का पत्र सौंपेंगे। हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत, पार्टी का लक्ष्य इस पत्र को सौंपने के लिए लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों, 6 लाख गांवों और 10 लाख से अधिक मतदान केंद्रों को कवर करना है। पत्र में, राहुल गांधी अपने दिलों से डर हटाओ की कहानी पर अड़े रहे और कहा,

पत्र में कहा, कि हमारे देश के लोगों को एहसास है कि जब तक हम अपनी विविधता को गले नहीं लगाते और कंधे से कंधा मिलाकर काम नहीं करते, हम अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच सकते। मुझे दृढ़ विश्वास है कि भारत नफरत को खारिज कर देगा। हम जाति, धर्म, भाषा, लिंग और अन्य सभी मतभेदों से ऊपर उठेंगे, जो समाज में दरार पैदा करते हैं। हमारी महानता विविधता में हमारी एकता में निहित है।

मंहगाई बढ़ाने के पीछे सरकार का भ्रष्टाचार : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय सिंह ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ भाजपा पर निशाना साधा। बिजली के दामों में वृद्धि के खिलाफ 27 जनवरी को आंदोलन किए जाने का ऐलान किया है। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव में भाजपा ने किसानों को मुफ्त बिजली दिए जाने का वादा किया था लेकिन अब 23 प्रतिशत तक की बिजली महंगी किए जाने का खेल खेला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा का दाम बढ़ाने के पीछे सिर्फ भ्रष्टाचार है। मैं सीधा आरोप लगा रहा हूं भाजपा सरकार के ऊपर, अगर मेरा आरोप गलत है तो मेरे ऊपर केस करें।

आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा भाजपा के घोषणा पत्र में लिखा है कि किसानों को फ्री बिजली देंगे। नियामक आयोग को प्रस्ताव भेजा था। जिसमें 18 से 23 प्रतिशत बिजली के दाम बढ़ाए जाने का मामला सामने आया है। फ्री देना तो दूर बिजली महंगी कर रहे हैं। बीपीएल वालों के 10 से 12 प्रतिशत दाम बढ़ाए जाएंगे। इसी तरह सभी लोगों के लिए बिजली के दाम बढ़ाए जाएंगे। यूपी में लगभग 23000 मेगावाट बिजली की जरूरत है। यूपी में बिजली उत्पादन बढ़ाए जाने को लेकर सरकार ने कुछ नहीं किया एक भी प्लान नहीं लगाया।

आप सांसद ने कहा कि भारत में कोयला उत्पादन बढ़ा लेकिन प्रचार किया गया देश में कोयले का संकट है। ऐसा सिर्फ इसलिए किया गया कि महंगी बिजली कंपनियों से खरीद कर भ्रष्टाचार किया जा सके। जबकि संसद में मुझे कोल इंडिया और कोयला मंत्री ने जवाब दिया है कि 30 प्रतिशत कोयले का उत्पादन देश में बढ़ा है। संजय सिंह ने कहा अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए उसकी विदेशी कंपनी से 25,000 30,000, 40000 टन खरीदना चाहती है कोयला सरकार जबकि हमारे देश में कोयला बहुत सस्ता है।

» 27 जनवरी से यूपी में आंदोलन करेगी आप

शाह को कहा मंदिर का महंत

गृह मंत्री अमित शाह के राम मंदिर बनने की तारीख के अलार्म पर कटाक्ष करते हुए संजय सिंह बोले की मैंने सुना है कि महंत अमित शाह ने मंदिर के उद्घाटन की तारीख की घोषणा कर दी है। भाजपा के लिए मुझे एक लाइन याद आती है। तू कौन मैं खांमखा प्रभु श्री राम हमारे आस्था के प्रतीक हैं। उनको राजनीति कर भाजपा वोट पाना चाहती है। आप कह रहे हो कि जनवरी 2024 को मंदिर का उद्घाटन होगा। आप देश के गृहमंत्री हैं या महंत हैं। ये सब सिर्फ इसलिए हो रहा है क्योंकि 2024 के चुनाव में फायदा लेना चाहती है आज प्रभु श्री राम का जो मंदिर बन रहा है वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बन रहा है।

18 पुलिस उपाधीक्षक बने अपर पुलिस अधीक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । प्रदेश सरकार ने 18 पुलिस उपाधीक्षको को अपर पुलिस अधीक्षक के पद प्रोन्नति दे दी है। साथ ही कुल 100 अन्य पीपीएस अधिकारियों को भी वेतनमान में प्रोन्नति दी गई है। गृह विभाग ने पीपीएस अधिकारियों को प्रोन्नति दिए जाने के संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया है। पीपीएस अधिकारियों को प्रोन्नति देने के लिए तीन दिन पहले ही डीपीसी हुई थी। इसी क्रम में इनके प्रोन्नति का आदेश जारी किया गया है। प्रमुख सचिव गृह की ओर से जारी आदेश के मुताबिक जिन 18 पुलिस उपाधीक्षकों को अपर पुलिस अधीक्षक के पद प्रोन्नति दी गई है, उनमें सुबोध गौतम, नवीन कुमार सिंह, आलोक दूबे, अशोक कुमार दूबे, जया शाडिल्य, अंकिता सिंह, जितेन्द्र कुमार, श्यामदेव, शंकर प्रसाद, योगेश कुमार, राघवेन्द्र सिंह, राजकुमार, मनोज कुमार यादव, नृपेन्द्र, अवनीश कुमार, अखंड प्रताप सिंह, वीरेन्द्र कुमार और इंदू सिद्धार्थ शामिल हैं। इनके अलावा 32 पुलिस उपाधीक्षकों को 5400 से 6600 और 17 पुलिस पुलिस उपाधीक्षकों को 6600 से 7600 ग्रेड पे दिया गया है। वहीं 24 अपर पुलिस अधीक्षकों को 7600 से 8700, 24 को ही 8700 से 8900 और 3 अपर पुलिस अधीक्षकों को 8900 से 10000 ग्रेड पे में प्रमोट किया गया है।

विधानसभा सत्र के दिन बढ़ाए जाएंगे : महाना

अध्यक्ष ने कहा, प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ विधायक को किया जाएगा सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा के आगामी बजट सत्र से सदन की कार्यवाही संचालन की अवधि को बढ़ाया जाएगा। बजट सत्र में प्रतिदिन कुछ या कुछ नया प्रयोग भी किया जाएगा। विधानसभा की ओर से प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ विधायक को सम्मानित भी किया जाएगा।

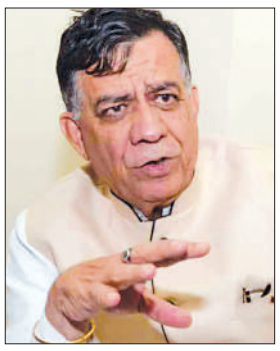

राजस्थान के जयपुर में आयोजित विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में शामिल होकर लौटे सतीश महाना ने सम्मेलन में हुई चर्चाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रदेशों में विधानसभा सत्र के दिन लगातार कम होने पर चिंता जाहिर की गई है। कहा कि, विधानसभा सत्र कितने दिन चलेगा यह सरकार की ओर से तय किया जाता है। लेकिन आगामी बजट सत्र में सरकार से बात कर प्रयास किया जाएगा कि सत्र अधिक से अधिक दिन चले। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में प्रतिदिन कुछ या कुछ नया किया जाएगा, जो सदन के सदस्यों को पसंद आएगा।

उन्होंने कहा कि प्रयास रहेगा कि जब तक एजेंडा पूरा नहीं हो तक तक सदन चलाया जाएगा चाहे रात 12 बजे बाद भी सदन चलाना पड़े तो चलाएंगे। विधानसभा में सर्वश्रेष्ठ विधायक का सम्मान किया जाएगा। इसके लिए एक एसओपी बनाकर कमेटी भी गठित की जाएगी। विधायक की ओर से सदन में पूछे गए सवाल, उठाए गए मुद्दों, सदन और सदन से बाहर उनका आचरण सहित अन्य मुद्दों पर परखा जाएगा।

ठंड में कोई सड़क पर सोने न पाये : महापौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया ने राजधानी में आगामी दिनों में पुन: ठंड बढ़ने के मद्देनजर अधिकारियों को चौकन्ना रहने के निर्देश दिए। महापौर ने मौसम के बिगड़ने की स्थिती में शहरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसका भी ध्यान रखने को कहा है। गौरतलब हो कि मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम यूपी में भारी बारिश से लखनऊ में आगामी दिनों में ठंड पुन: बढ़ने की संभावना है। महापौर ने इसी मद्देनजर शहरवासियों और जरूरतमंदों को ठंड से बचाने एवं विगत दिनों में निगम द्वारा ठंड से बचाव हेतु कराए गए कार्यों में नगर निगम द्वारा जलाए जा रहे अलाव और रैनबसेरों की व्यवस्था सहित ठंड में सड़क किनारे सोने वालें जरूरतमंदों और गरीबों को नगर निगम द्वारा अपने वाहनों से उठा रात में रैनबसेरे पहुचाने की व्यवस्था की भी समीक्षा की।

अधिकारी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें : संयुक्ता

इस दौरान महापौर संयुक्ता भाटिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर निगम के जोनल अधिकारियों के साथ सभी अधिकारी प्रमुख सड़को पर रात्रि में राउंड लगाए और सड़क किनारे सोते मिले जरूरतमंदों को पास के रैनबसेरों में पहुँचाया जाए। किसी भी सड़क पर कोई भी जरूरतमंद खुले में सोता न मिले। महापौर ने बताया कि स्थायी और अस्थायी सहित समस्त रैनबसेरों के उचित प्रबंध किए गए है, जिसमे तख्त, बिस्तर, रजाई, हीटर और भोजन भी उपलब्ध है।

सभी प्रमुख चौराहों पर अलाव जलवाएं, पब्लिक डोमेन में डाले : भाटिया

महापौर संयुक्ता भाटिया ने शहर में 1455 से अधिक स्थानों पर जलाए जा रहे अलाव की समीक्षा की। महापौर ने गीली लकड़ी गिराए जाने की प्राप्त शिकायतो पर नाराजगी जाहिर की और गीली लकड़ी उपलब्ध कराने पर संबंधित ठेकेदार का पैसा काटने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही डिजिटल डायरी के अनुसार ही समस्त जोनों में बिल वेरीफाई कर ही भुगतान की कार्यवाही बढ़ाने के सख्त निर्देश दिये जिससे पारदर्शिता बनी रहे, बिना डिजिटल डायरी के भुगतान नहीं किया जाएगा। समस्त प्रमुख चौराहों पर निरंतर अलाव जलवाए जाए।

राखी से निकाह पर आदिल ने कहा-कबूल है...कबूल है...कबूल है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुबंई। मनोरंजन क्वीन राखी सावंत किसी ने किसी वजह से अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। वहीं, इन दिनों राखी सावंत आदिल खान दुर्रानी के साथ अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में राखी ने आदिल के साथ हुए अपने निकाह की तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसके बाद से ही दोनों चर्चा में आ गए। पहले जहां आदिल ने शादी से साफ इनकार कर दिया था, तो अब उन्होंने निकाह कबूल कर लिया है। हालांकि अभी भी उनका परिवार शादी के खिलाफ है।

दरअसल, राखी सावंत ने अचानक ही आदिल खान दुर्रानी के साथ अपनी शादी का खुलासा किया था, जिसे जानने के बाद हर कोई हैरान रह गया था। इसके बाद से राखी खुलकर अपनी शादी को लेकर बात कर रही थी, तो आदिल ने इससे इनकार कर दिया था। हालांकि इसके बाद उन्होंने कुछ भी बोलने के लिए थोड़ा समय मांगा था। वहीं, अब हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में आदिल ने राखी सावंत के साथ अपनी शादी की बात को मान लिया है। उनका कहना है कि वह अपने परिवार को मनाने की कोशिश में लगे हैं। आदिल ने कहा-मैं और राखी शादीशुदा हैं और वह दोनों साथ में खुश हैं। परिवार को इस बारे में जानकारी है, लेकिन वह अभी इसके लिए राजी नहीं हुए हैं और उन्हें मनाने का प्रयास चल रहा है। पहले मैं इस बात से इनकार कर रहा था, लेकिन फिर मैंने देखा कि जहां राखी होती है वहां विवाद भी होती है। ऐसे में मैंने सोचा कि जब मीडिया में इतनी बातें हो रही हैं, तो शादी की बात को मान लेना ठीक है। इस दौरान आदिल के साथ राखी भी मौजूद थीं।

गौरतलब है कि राखी सावंत और आदिल खान दुर्रानी ने सात महीने पहले पूरे रीति रिवाजों के साथ निकाह किया था। इतना ही नहीं राखी ने अपना नाम भी बदलकर फातिमा रख लिया था। हालांकि जब यह खबर मीडिया के सामने आई, तो आदिल ने इनकार कर दिया। ऐसे में राखी का रो-रोकर बुरा हाल था। एक ओर अभिनेत्री की मां का कैंसर का इलाज चल रहा है, तो आदिल के ऐसे करने की वजह वह समझ नहीं पा रही थीं।

» सात माह पहले हुई थी दोनों की शादी, राखी ने बदला था अपना नाम फातिमा

पद्मावत एक्सप्रेस में कारोबारी की दाढ़ी खींची, मारपीट कर बोगी से नीचे फेंका

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने से हरकत में आया रेलवे पुलिस अमला

» मुरादाबाद के कटघर का रहने वाला है पीड़ित पीतल कारोबारी आसिम हुसैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। पद्मावत एक्सप्रेस ट्रेन की जनरल बोगी में सफर कर रहे पीतल कारोबारी पर आठ-दस लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने कारोबारी की दाढ़ी खींची और उनसे धार्मिक नारे भी लगवाए। इसके बाद मुरादाबाद आउटर पर उन्हें धक्का दे दिया गया। शुक्रवार देर रात पीड़ित ने जीआरपी थाने में तहरीर दी है।

कटघर के पीरजादा निवासी आसिम हुसैन ने बताया कि गुरुवार रात वह दिल्ली से मुरादाबाद के लिए ट्रेन में सवार हुए थे। ट्रेन हापुड़ रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी कि कुछ लोग बोगी में घुस आए। उन्होंने आसिम हुसैन को घेर लिया और धक्का-मुक्की कर कपड़े फाड़ दिए। विरोध करने पर आरोपी गाली गलौज करने लगे और मारपीट की। बाद में आरोपियों ने मुरादाबाद आउटर पर उन्हें धक्का मारकर ट्रेन की बोगी से नीचे गिरा दिया। पीड़ित कारोबारी का कहना है कि वह फटे कपड़ों में पड़े थे, उनके एक परिचित ने अपने कपड़े उनको दिए। शुक्रवार देर रात पीड़ित आसिम परिजनों और परिचितों के साथ जीआरपी थाने पहुंचे और अपने साथ हुई घटना की तहरीर दी।

सहयात्री ने वीडियो बनाकर किया ट्वीट

जीआरपी सीओ देवी दयाल ने बताया कि ट्रेन में कारोबारी के साथ हुई मारपीट का कुछ यात्रियों ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो को ट्वीट कर दिया गया। ट्वीट में जीआरपी को टैग किया गया था। हरकत में आई जीआरपी ने बरेली में दो आरोपी पकड़ लिए। पूछताछ पर उन्होंने अपना नाम सतीश कुमार निवासी रायबरेली और प्रतापगढ़ निवासी सूरज बताया। सीओ जीआरपी ने बताया कि दोनों आरोपियों का शांति भंग में चालान कर दिया गया। हालांकि अब तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

पंचतत्व में विलीन हुए शरद यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पैतृक गांव आंखमऊ में हुआ अंतिम संस्कार

भोपाल । समाजवादी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव की पार्थिव देह आज पंचतत्व में विलीन हो गया। इससे पहले आज उनकी पार्थिव देह को चार्टर्ड विमान के जरिए दिल्ली से भोपाल लाया गया। वहां पर सीएम शिवराज सिंह चौहान उन्हें श्रद्धांजलि दी। यहां से शरद यादव की पार्थिव देह को नर्मदापुरम के माखननगर में स्थित पैतृक गांव आंखमऊ ले जाया गया। दोपहर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि आरजेडी नेता शरद यादव का 75 साल की उम्र में लंबी समय से बीमारी के कारण गुरुवार को निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। सभी नेता अपने-अपने तरीके से शरद यादव के निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, सीएम नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और लालू यादव समेत तमाम दिग्गजों ने शरद यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया।

जोशीमठ-औली रोपवे पर आई दरारें, यातायात ठप | 4 वार्डों को घोषित किया गया था असुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोशीमठ। भू-धंसाव से एशिया के सबसे बड़े जोशीमठ-औली रोपवे की प्लेटफार्म पर दरारें आ गई है। खतरे को देखते हुए रोपेव का संचालन बंद कर दिया गया है। कल रात को रोपवे पर ये दरारें आई है। रोपवे का एक टावर प्रशासन की ओर से असुरक्षित घोषित किए क्षेत्र में है जिसके चलते रोपवे को लेकर भी आशंकाएं तेज हो गई।

जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव से जोशीमठ-औली रोपवे भी प्रभावित हो गया है। इससे पहले प्रशासन ने जहां चार वार्डो को असुरक्षित घोषित किया है उसमें मनोहर बाग वार्ड भी है और रोपवे का एक नंबर टावर यहीं लगा है। रोपवे प्रबंधक दिनेश भट्ट का कहना था कि रोपवे के टावर की हर दिन नियमित निगरानी की जा रही है। जोशीमठ से औली तक इस रोपवे की दूरी करीब चार किमी है जिसमें 10 टावर लगे हैं। रोपवे से जोशीमठ से औली पहुंचने में 15 मिनट का समय लगता है। औली जाने के लिए पर्यटकों की पहली पसंद रोपवे ही रहता है।

उत्तराखंड के मंत्री के कहने पर इसरो ने हटाई तस्वीरें

चमोली। उत्तराखंड सरकार के मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के कहने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने जोशीमठ भू-धंसाव की सेटेलाइट तस्वीरें हटा दी हैं। डॉ. रावत चमोली जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, और वर्तमान में जोशीमठ में कैंप कर रहे हैं। मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अमर उजाला को बताया कि जोशीमठ के धंसने के संबंध में इसरो की तस्वीरें वायरल होने और उससे जुड़े खबरें टीवी चैनलों में प्रसारित होने के बाद जोशीमठ शहर लोगों के बीच पैनिक की स्थिति बन गई थी। ऐसा होने पर उन्होंने इसरो के निदेशक से फोन पर बात की। उनसे अनुरोध किया कि तस्वीरों के संबंध में इसरो या तो अधिकृत बयान जारी करे या फिर ऐसा कुछ नहीं है तो वेबसाइट से तस्वीरें हटा दें।

मौसम लेगा करवट फिर सताएगी ठंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो दिन से धूप और हल्की बारिश होने से पारे के चढ़ने से जहां लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली। पर ये राहत ज्यादा समय तक नहीं रहने वाली है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 15 से 17 तक दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत में मौसम फिर से करवट लगा । उनका कहना कि तेज हवाओं के चलते ठंड फिर बढ़ सकती है।

वहीं उत्तर प्रदेश में मौसम के अलग-अलग रूप देखने को मिले। कोहरे की सघनता कम हो गई। कुछ शहरों में बारिश हुई तो कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई। वहीं अधिकतम तापमान 28 डिग्री तक पहुंच गया। इस बीच मौसम विभाग ने 15 जनवरी की रात से फिर से पारे में गिरावट आने की बात कही है। बुधवार को प्रदेश के कुछ इलाकों में छाए बादल फिलहाल प्रदेश से आगे निकल चुके हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी के मुताबिक, 15 और 16 जनवरी को कोल्ड डे कंडीशन सक्रिय हो जाएगी। ऐसे में पारे में गिरावट के आसार हैं। यह स्थिति 17 जनवरी तक बनी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।